नई दल्लिी□ प्रधानमंत्री मनमोहन सहि ने आज अर्थव्यवस्था की स्थतिि को लेकर प्रवासी भारतीयों की आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करते हु□ कहा कि देश ''बेहतर भवष्यि'' की ओर ब□ रहा है और वर्तमान के बारे में नराशि होने या भवष्यि के बारे में चंता करने का कोई कारण नहीं है □

उन्होंने यह भी कहा कि अगले चुनाव परणिाम पर ध्यान दि□ बनिा वे □ कबार फरि भारत के लोकतंत्र और इसकी संस्थाओं की सामर्थ्य को प्रदर्शति करेंगे □

मनमोहन ने कहा, ''मै जानता हूं कि आप में से बहुत से लोगों के मन में भारतीय अर्थवव्यवस्था के भवष्यि के बारे में सवाल और सामाजकि चुनौतयिों, हमारी राज्य व्यवस्था के आकार तथा हमारे देश में प्रशासन से जु□ मुद्दों के बारे में चंति□ है □ भारत के बाहर कुछ तबकों में यह धारणा है कि देश पछिले □ कदशक से अपनी गतिि खो रहा है □''

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुद्दों को ''भारत में राजनीतकि वविादों के जरि□'' भी ब□ा च□ाकर पेश कयिा जाता है जसिे आसन्न चुनावों को देखते हु□ इस चुनावी मौसम में नि:संदेह ज्यादा जोर शोर से उठाया जाता है □

उन्होंने यहां 12वें प्रवासी भारतीय दविस कार्यक्रम में कहा, ''मै आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारे वर्तमान के बारे में नराशि होने या भवष्यि के बारे में चंता का कोई कारण नहीं है □ असल में, जैसा कि मै पहले भी कह चुका हूं कि हम बेहतर भवष्यि की ओर ब□ रहे है और मै आपसे आग्रह करूंगा कि आप इस देश के भवष्यि से वशि्वास और आशावाद के साथ जु□ रहि□ □''

प्रधानमंत्री ने कहा कि कई बाह्य और घरेलू कारकों के बावजूद ''हमारी अर्थव्यवस्था के बुनयिादी सद्धिांत मजबूत है □''

मनमोहन सहि ने आज 12वें प्रवासी भारतीय दविस सम्मेलन का औपचारकि उद्घाटन करने के बाद भारतवंशयिों को संबोधति करते हु□ कहा, ''हमारी अर्थव्यवस्था ने पछिले दशक में बेहतर प्रदर्शन कयिा है□ 2004 के बाद से हमारी औसत वकिास दर 7.9 प्रतशित वार्षकि के स्तर पर रही□ पछिले कुछ समय में आई मंदी को लेकर भी संदेह नहीं है और हम संभवत: इस साल के अंत में भी 5 प्रतशित की वकिास दर के साथ पछिले साल के स्तर पर ही रहेंगे□''

उन्होंने अर्थव्यवस्था में मंदी के लि घरेलू कारणों के साथ अनेक अंतरराष्ट्रीय कारकों को भी जिम्मेदार ठहराया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''इन चुनौतियों के बावजूद हमारी अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है। हमारी बचत और निवेश की दर अभी हमारी जीडीपी का 30 प्रतिशत से अधिक है और भारत में उद्यमशीलता की भावना भलीभांति जीवंत है।''

शासन में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के संप्रग सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि यह जटिल काम है क्योंकि भारतीय शासन व्यवस्था की संघीय प्रकृति का सम्मान करते हुए हमारी समृद्ध प्रक्रियाओं और प्रणालियों को दुरूस्त करना जरूरी है।

उन्होंने कहा, ''शासन को मजबूत करना एक चालू प्रक्रिया है और हम कभी यह नहीं कह सकते कि हमने पर्याप्त काम कर लिया है। लेकिन मुझे विश्वास है कि हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार, लोकपाल विधेयक, सरकारी खरीद विधेयक, प्राकृतिक संसाधनों के आवंटन की प्रणाली में बदलाव और कानून प्रवर्तन तथा लेखा परीक्षण संस्थाओं को सशक्त बनाने जैसे कुछ कदम सरकार ने इस दिशा में उठाए हैं।

सिंह ने कहा कि इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव भारत की प्रगति की आधारशिला बनाने वाले इन आदर्शों की दीर्घकालिक प्रकृति को भी साबित करेंगे।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय के घटनाक्रम देश के लोकतंत्र के मजबूत होने की ओर इशारा करते है जो और अधिक सहभागिता वाला तथा संवाद वाला बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ''यह बहुत उत्साहजनक बात है कि सभी क्षेत्रों से हमारे युवा न केवल अपनी आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को स्पष्ट करते है बल्कि भविष्य बनाने के लिए सक्रियता के साथ राजनीति में आते हैं। इसका स्वागत होना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''हमारे देश में अनेक स्तरों पर हो रहे अद्भुत बदलाव हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सकारात्मक भूमिका निभा सकते है जिसमें हमारे लोगों की नई तथा उभरती चिंताओं, उम्मीदों और आकांक्षाओं को झलकने की क्षमता है। मुझे विश्वास है और आपको भी होना चाहिए कि एक बहुलवादी लोकतंत्र के तौर पर हमारे देश का भविष्य सुरक्षित है।''

मनमोहन ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में सरकार ने बड़ी बुनियादी परियोजनाओं को लागू करने, कर प्रशासन में सुधार करने, वित्तीय प्रबंधन को सुधारने, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को उदार बनाने और प्राकृतिक संसाधनों के आवंटन एवं उपयोग की प्रणाली को तर्कसंगत बनाने की गति बढ़ाने के लिहाज से व्यापक

निर्णय लि□ हैं□

संसद में रहने वाले गतिरोध के माहौल की ओर परोक्ष इशारा करते हु□ प्रधानमंत्री ने कहा, ''वृहद राजनीतिक समर्थन से हम ब□ सुधार वाले विधेयक ला सकते हैं मसलन- वित्तीय और बीमा क्षेत्र में□ हमारे फैसलों का प्रभाव प□ना शुरू कर दिया है और भारत आकर्षक निवेश गंतव्य के तौर पर फिर से उभर रहा है□ मुझे भरोसा है कि आप अगले कुछ महीने में इसे स्पष्ट तौर पर देखेंगे□''

सिंह ने कहा कि भारत महत्वपूर्ण तरीके से बदल रहा है लेकिन उन लोगों को हमेशा यह नहीं दिखाई देता जो व्यापक परिप्रेक्ष्य में इसे नहीं देखते□

अपनी सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हु□ प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दस साल में भारत का संचार नेटवर्क तेजी से ब□ा है और ग्रामीण भारत का ब□ा हिस्सा बहुत जल्दी ब्रॉडबैंड से जु□ जा□गा□ आज हजारों उच्च शिक्षा संस्थान नेशनल नॉलेज नेटवर्क का हिस्सा हैं□ आज टेलीफोन सभी की पहुंच में है□

प्रधानमंत्री सिंह ने शिक्षा क्षेत्र में सुधार का उल्लेख करते हु□ कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों की संख्या 17 से 44 हो गई है और आईआईटी तथा आईआई□म दोगुने हो ग□ हैं□

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर देखें तो लगभग हर बच्चा स्कूल जा रहा है□ राष्ट्रीय कौशल विकास प्राधिकरण अगले पांच साल के लिहाज से मानवशक्ति तैयार करने के लि□ 5 करो□ लोगों को प्रशिक्षित करने के मकसद से निजी क्षेत्र समेत अन्य पक्षों के साथ मिलकर काम कर रहा है□

उन्होंने कहा, ''हमने 17,000 किलोमीटर राजमार्गों को जो□ा है और ग्रामीण भारत में 2 लाख किलोमीटर नयी स□कों का निर्माण किया गया है□ हमारी विद्युत उत्पादन की क्षमता तेजी से ब□ रही है जिसमें सौर, पवन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं□''

उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर न केवल तेज हुई है बल्कि सामाजिक रूप से भी और अधिक समावेशी और क्षेत्रीय तौर पर अधिक संतुलित हो गई है□

सिंह ने कहा, ''हमारी सरकार के लि□ समावेशी विकास न केवल नैतिक अनिवार्यता या राजनीतिक जरूरत है बल्कि सतत दीर्घकालिक आर्थिक विकास और सामाजिक स्थिरता का आवश्यक तत्व भी है□''

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर पुस्तक ‘इनक्रेडबिलि अपॉर्चुनटीज बैक होम’ का वमिोचन भी कयिा जसिमें भारत में नविश के अवसरों के संबंध में जानकारी है□ ?

प्रवासयिों को संबोधति करते हु□ सहि ने कहा कि हमारी सरकार ने सत्ता में आने के बाद प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय बनाया था□ हमने हाल ही में महात्मा गांधी प्रवासी सुरक्षा योजना भी शुरू की है जसिका उद्देश्य वदिशों में कार्यरत भारतीय मजदूरों को सामाजकि सुरक्षा प्रदान करना है□ इस साल दलि्ली में प्रवासी भारतीय केंद्र का नरि्माण पूरा हो जा□गा□ हम राज्य सरकारों को भी प्रवासी भारतीय भवनों की स्थापना में मदद करने के लि□ □क योजना शुरू करना चाहते हैं□

(भाषा)